अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

दो वर्षीय एम.ए.डिग्री प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी) सेमेस्टर - IV

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2024-25)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), **2020** में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, **2023** से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडल ने एम.ए.(हिंदी) द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सत्र के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे हैं । पाठ्यक्रम को एनईपी **2020** दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करें।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातकोत्तर छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं-शिवं-सुंदरं की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी **2020** के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Outcomes (POs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार एम. ए. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम परिणाम।

प्रभावी शैक्षणिक वर्ष 2024-2025

PO1	**व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding)**:- छात्र व्यापक बहुअंतःविषय क्षेत्रों की गहन /संदर्भ में अध्ययन के अपने चुने हुए अनुशासनात्मक विषयक-समझ प्रदर्शित करेंगे, जिसमें वर्तमान और उभरते विकास, सीखने के चुने हुए क्षेत्रों से जुड़े पेशेवर कार्यों को करने और पूरा करने के लिए आवश्यक प्रक्रियात्मक ज्ञान शामिल है।	
PO2	**ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :** स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त उन्नत तकनीकी औरया सैद्धांतिक ज्ञान और संज्ञानात्मक और व्यावहारिक कौशल / की एक श्रृंखला को लागू करने की क्षमता का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे ताकि स्रोतों की एक विस्तृत श्रृंखला पर एकत्रित मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का विश्लेषण किया जा सके। सीखने के चुने हुए क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं और मुद्दों की पहचान करने के लिए,	
PO3	**संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :** स्नातकोत्तर छात्र जीवन में संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाने और अभ्यास करने की इच्छा और क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, काम के सभी पहलुओं में उद्देश्यपूर्ण, निष्पक्ष और सच्चे कार्यों को अपनाएंगे। सीखने और पेशेवर अभ्यास के चुने हुए क्षेत्र से संबंधित, प्रासंगिक नैतिक और नैतिक मुद्दों के समर्थन में सुसंगत तर्क प्रस्तुत करें।	
PO4	**रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :** स्नातकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल के अधिग्रहण का प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिएकाम के भविष्य के लिए अनुकूलन और : तकनीकी विकास और नवाचारों की तेज गति की मांगों के लिए जो एक बदलाव लाते हैं। कौशल के लिए नियोक्ताओं की मांगों में, विशेष रूप से काम के नए रूपों के निर्माण और तेजी से बदलते काम और उत्पादन प्रक्रियाओं से जुड़े अधिक प्रौद्योगिकीसहायता वाले कार्यों - की ओर संक्रमण के संबंध में।	
PO5	**स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :** ज्ञान और कौशल को लागू करने, कार्य संदर्भों में सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वतंत्रता, जिम्मेदारी और जवाबदेही का प्रदर्शन करना चाहिए।	
PO6	**अनुसंधान कौशल (Research Skills)**स्नातक अवलोकन :, पूछताछ की गहरी समझ और प्रासंगिकउचित प्रश्न पूछने की क्षमता/, समस्याओं को हल करने, संश्लेषित करने और मुद्दों को स्पष्ट करने और अनुसंधान प्रस्तावों को डिजाइन करने की क्षमता, समस्याओं को परिभाषित करने की क्षमता, उपयुक्त तैयार करने में सक्षम होंगे। और प्रासंगिक शोध प्रश्न, परिकल्पना तैयार करना, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण करना, परिकल्पना स्थापित करना, डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर	

	अनुमान लगाना और कारणप्रभाव संबंधों की भविष्यवाणी करना-और- ।	
PO7	**आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच** (**Critical and Creative Thinking**) : स्नातक ज्ञान के एक समूह में विश्लेषणात्मक विचार को लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नीतियों और प्रथाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के साथसाथ साक्ष्य-, तर्क, दावे, विश्वास और साक्ष्य की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता शामिल है। स्नातक समान वस्तुओं या परिदृश्यों के बारे में अलगअलग और विविध तरीकों से बनाने-, प्रदर्शन करने या सोचने, समस्याओं और स्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।	
PO8	**समस्यासमाधान क्षमताएँ-** (**Problem-solving Abilities**)स्नातक नवीन और अंतःविषय : दृष्टिकोण के माध्यमसे जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक चुनौतियों को पहचानने और संबोधित करने में कुशल होंगे।	
PO9	**सहयोग और टीम वर्क** (**Collaboration and Teamwork**) स्नातक विविध टीमों के साथ : प्रभावी ढंग से और सम्मानपूर्वक काम करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, एक समूह की ओर से सहकारी या समन्वित प्रयास की सुविधा प्रदान करेंगे, एक सामान्य कारण के हित में एक समूह या टीम के रूप में मिलकर कार्य करेंगे और एक टीम के सदस्य के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करें।	
PO10	**डिजिटल और तकनीकी कौशल** (**Digital and technological skills**)स्नातक विभिन्न प्रकार की : सीखने और कार्य स्थितियों में आईसीटी का उपयोग करने, विभिन्न प्रासंगिक सूचना स्रोतों तक पहुंच, मूल्यांकन और उपयोग करने और डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।	

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1. **छात्र हिंदी साहित्य के काव्य परंपरा से परिचित होंगे।**

PSO2. **आधुनिक कवियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होगी।**

PSO3. **छात्रों में साहित्य पढने की रुचि निर्माण करके सोच का दायरा व्यापक होगा।**

PSO4. **साहित्य से छात्रों में लेखन कौशल, भाषण कौशल के विकास को बढावा मिलेगा।**

PSO5. **छात्र हिंदी भाषा के साहित्य से अवगत होंगे।**

PSO6. **छात्र भाषा विज्ञान के महत्व से परिचित होगें।**

PSO7. **छात्र हिंदी. मराठी. अंग्रेजी भाषाओं के पारस्परिक अनुवाद से परिचित होंगे ।**

PSO8. **छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होगें।**

PSO9. **छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से संबधित विभिन्न प्रवृत्तियों से परिचित होगें।**

PSO10. **छात्रों में आलोचना से ज्ञानदृधि बढ़ेगी।**

PSO11. **हिंदी आलोचना से छात्र परिचित होगें।**

PSO12. **छात्र साहित्य और आलोचना के सहसंबंधों से अवगत होंगे।**

PSO13. **हिंदी अनुवाद विज्ञान से छात्र परिचित होगें।**

PSO14. **छात्रों में चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।**

PSO15. **हिंदी जनसंचार माध्यम से छात्र परिचित होगें।**

PSO16. **हिंदी जनसंचार माध्यम से ज्ञानदृधि बढ़ेगी।**

PSO17. **हिंदी जनसंचार माध्यम से छात्रों को रोजागार के अवसर मिलेंगे।**

PSO18. **छात्र विभिन्न कौशल से अवगत होंगे ।**

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2023-24 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. सुनिल बनसोडे	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
5.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
6.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
7.	डॉ. बनसिंग भोई	सदस्य
8.	कु. ईश्वरी कुलकर्णी	छात्र प्रतिनिधि
9.	कु. मंगल दगडे	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for M.A.-II (Hindi) (2023 Pattern as per NEP-2020) 2024-2025

Year (2 Year PG)	Level	Sem. (2 Yr)	Major			Research Methodology (RM)	OJT /FP	RP	Cum. Cr.	Degree
			Mandatory	Electives						
II	6.0	Sem-III	HIN - 601-MJM - छायावाद और नई कविता (Credit 04) HIN - 602-MJM - भाषा विज्ञान (Credit 04) HIN - 603-MJM - हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) (Credit 04) HIN - 604-MJM - जनसंचार माध्यम (Credit 02)	HIN -611-MJE (A) आधुनिक हिंदी आलोचना (Credit 04)	HIN -611-MJE (B) अनुवाद विज्ञान (Credit 04)	HIN -621-RM (Credit 04)	--	--	22	PG Diploma (after 3 Year Degree)
		Sem-IV	HIN - 651-MJM - आधुनिक काव्य (Credit 04) HIN - 652-MJM- हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास (Credit 04) HIN - 653-MJM - हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Credit 04)	HIN -661-MJE(A) लोकसाहित्य (Credit 04)	HIN -661-MJE (B) पत्रकारिता (Credit 04)	HIN -681-RM Credit 06		--	22	
Cum. Cr. For PG Diploma			**26**	**8**		**10**	**-**	**--**	**44**	

Course Structure for M.A.-II - Hindi (2023 Pattern as per NEP-2020)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	HIN-601-MJM	छायावाद और नई कविता	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -602-MJM	भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -603-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतीकाल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -604-MJM	जनसंचार माध्यम	Theory	02
	Major (Elective)	HIN -611-MJE (A)	आधुनिक हिंदी आलोचना	Theory	04
		HIN -611-MJE (B)	अनुवाद विज्ञान	Theory	04
	Research Methodology (RM)	HIN -621-RM	लघु शोध-प्रबंध	Theory	04
			Total Credits Semester III		**22**
IV	Major (Mandatory)	HIN -651-MJM	आधुनिक काव्य	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -652-MJM	हिंदी भाषा का ऐतहासिक विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN -653-MJM	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	04
	Major (Elective)	HIN -661-MJE (A)	लोकसाहित्य	Theory	04
		HIN -661-MJE (B)	पत्रकारिता	Theory	04
	On Job Training (OJT)/Field Project (FP)	HIN -681-OJT/FP	लघु शोध परियोजना	Training/ Project	06
			Total Credits Semester-IV		**22**
			Cumulative Credits Semester III and IV		**44**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

Major – आधुनिक काव्य

PAPER CODE : HIN-651-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: आधुनिक काव्य**
Course Code	**: HIN-651-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना ।
4. आलोचानात्मक दृष्टि विकसित करना।
5. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।
6. साहित्यिक समृद्धि और भावनात्मक संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना।
7. समकालीन समाज की समस्याओं, विचारों, भावनाओं से रूबरू करना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :*

CO1 - छात्र हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य से परिचित होंगे।

CO2 - हिंदी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी।

CO3 - नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता निर्माण होंगी ।

CO4 - आधुनिक कवियों की कृतियों के अध्ययन से रसास्वादन की प्रवृत्ति विकसित होंगी ।

CO5 - आधुनिक काव्य के अध्ययन से छात्रों को जीवन में मूल्यों का महत्व समझ में आएंगा।

CO6 - यथार्थ से परिचित होंगे।

CO7 - काव्य के अध्ययन से छात्रों में प्रतिभा बढ़ेंगी।

पाठ्यक्रम

Major – आधुनिक काव्य

PAPER CODE : HIN-651-MJM

पाठ्यपुस्तक : 1) 'काव्य सारंग'
संपादक: हिंदी अध्ययन मंडळ, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे,
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

ईकाई नं.1: 1) बादल को घिरते देखा - नागार्जुन **15 तासिकाएं**
2) शासन की बंदूक - नागार्जुन
3) मेरी आभा है इसी में - नागार्जुन
4) जन-जन का चेहरा एक - मुक्तिबोध
5) भूल गलती - मुक्तिबोध
उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

ईकाई नं. 2 : 1) असाध्य वीणा - अज्ञेय **15 तासिकाएं**
2) हीरोशिमा - अज्ञेय
3) कनुप्रिया अंश - धर्मवीर भारती
4) ठंडा लोहा - धर्मवीर भारती
5) फिरोजी होंठ - धर्मवीर भारती
उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

ईकाई नं. 3 : 1) आदिवासी स्त्रियाँ - निर्मला पुतुल **15 तासिकाएं**
2) बूढ़ी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल
3) दरवाजा - अनामिका
4) जनम ले रहा है नया पुरुष - अनामिका
5) नमक - अनामिका
उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन ।

ईकाई नं. 4 : 1) पेड़ का नाच - लीलाधर मंडलोई **15 तासिकाएं**
2) जानती है सिर्फ नदी - लीलाधर मंडलोई
3) गूंगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दम
4) बेमानी है आजादी - जयप्रकाश कर्दम
5) शुक्र है तू नहीं है - जयप्रकाश कर्दम
उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1.'काव्य सारंग' संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. काव्य रूप संरचना उद्भव और विकास - सुमन राजे
4. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ - डॉ. निर्मला जैन
5. हिंदी काव्य का स्वरूप और विकास बदलते युग बोध के परिप्रेक्ष्य में - डॉ. प्रेमचंद महेश
6. संसद से सड़क तक और गोलपीठा - प्रा. अनंत केदारे
7. नई कविता - डॉ मानसिंह वर्मा
8. समकालीन हिंदी कविता - रवीद अमर
9. नई कविता की प्रबंध चेतना - डॉ महावीरसिंह चौहान
10. नया हिंदी काव्य और विवेचन - शंभुनाथ चतुर्वेदी
11. तीसरा सप्तक - अज्ञेय
12. आधुनिक हिंदी काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन- डॉ बनवारीलाल द्विवेदी
13. आधुनिक खंडकाव्यों में युगचेतना - डॉ एन डी पाटील
14. नागार्जुन के काव्य का अनुशीलन - डॉ. पूनम बोरसे

******

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-651-MJM

Tittle of Course : आधुनिक काव्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2		3								
CO 3		3								
CO 4	3									
CO 5			3							
CO 6						3				
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढ़ेगी।

CO4-छात्रों में आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी और समझ बढ़ेगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO2- छात्र आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता के तात्विक एवं सैद्धान्तिक स्वरुप से परिचित होंगे।

CO3-छात्र आधुनिक युगीन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचय होंगे एवं उनके ज्ञान में वृद्धि होंगी।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO5-काव्य के अध्ययन से छात्रों में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदना का विकास होगा।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) : Nil

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO6- छात्रों में काव्य आकलन से अनुसंधान की दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO7-काव्य के अध्ययन से छात्रों में काव्य निर्माण के प्रति सकारात्मकता बढ़कर आलोचनात्मक सोच बढेगी।

PO8: समस्या समाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities): Nil

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :Nil

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

Major – हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : HIN-652-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास**
Course Code	**: HIN-652-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना ।
3. बोलियों का वर्गीकरण का परिचय देना।
4. हिंदी की लिपि विज्ञान से अवगत करना।
5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना।
6. छात्रों के शब्द भंड़ार में वृध्दि करना।
7. हिंदी की संस्थाओं से परिचित कराना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :*

CO1- भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से परिचित होंगे।
CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
CO3- भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी होंगी।
CO4- हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होंगे।
CO5- हिंदी भाषा के शब्द-भेदों के विकासक्रम से परिचित होंगे।
CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होंगे।
CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Major – हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : HIN-652-MJM

ईकाई नं.1: हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : **15 तासिकाएं**
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत ।
मध्यकालीन आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।

ईकाई नं.2 : आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : बंगाली, असमिया, **15 तासिकाएं**
उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली मराठी।

ईकाई नं.3 : लिपि विज्ञान : लिपि का उद्‌भव और विकास, **15 तासिकाएं**
खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि।
देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

ईकाई नं.4 : हिंदी प्रसार के आंदोलन : प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं **15 तासिकाएं**
का योगदान, राजभाषा के रूप में हिंदी,
राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

******

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका सैद्‌धांतिक विवेचन - डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत - डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. भाषा विज्ञान सैद्‌धांतिक विवेचन - रवींद्र श्रीवास्तव
6. भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत और हिंदी भाषा - द्‌वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव दद्‌विवेदी
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली
9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10. भाषा विज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

******

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-652-MJM

Tittle of Course : हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2	3									
CO 3	2									
CO 4										3
CO 5										3
CO 6		3				3	3			
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढ़ेगी।

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से छात्र परिचय होंगे।

CO3- भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी छात्रों को मिलेंगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच बढेंगी।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :Nil

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) : Nil

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO6- हिंदी भाषा के विविध रूपों से परिचित होकर उनमें रचनात्मक सोच बढेंगी।

CO7- भाषा के अध्ययन से छात्रों में अनुसंधानात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities): Nil

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills):

CO4- हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर छात्र तकनीकी कौशल अवगत करेंगे

CO5- हिंदी भाषा के शब्द-भेदों से छात्रों में तकनीकी ज्ञान विषयक वृद्धि होंगी।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

Major – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE : HIN-653-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
Course Code	**: HIN-653-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. हिंदी गद्य के उदभव और विकास से छात्रों को अवगत कराना |
2. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों रंचनाकारों से परिचित कराना |
3. ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना ।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के उपन्यास और कहानी का परिचय कराना |
5. हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
6. विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय कराना |
7. हिंदी साहित्य के विविध काव्य से परिचित कराना |

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र हिंदी गद्य के विकास से परिचित होंगे।

CO2- छात्र हिंदी साहित्य और इतिहास के सहसंबंधों से अवगत होंगे।

CO3- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO4- छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व से परिचित होगें।

CO5- छात्र हिंदी के नाटक और रंगमंच के विविध प्रकारों से अवगत होंगे |

CO6- छात्र विभिन्न गद्य विधाओं से परिचित होंगे |

CO7- छात्रों में हिंदी साहित्य के विविध काव्य के दृष्टि से विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

Major – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

PAPER CODE : HIN-653-MJM

ईकाई नं. 1 : 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : **15 तासिकाएं**
2. भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य का सामान्य परिचय|
3. हिंदी उपन्यास का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग
4. हिंदी कहानी का विकास : प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग

ईकाई नं. 2 : 1. हिंदी नाटक और रंगमंच का उदभव और विकास : **15 तासिकाएं**
प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग |
2. हिंदी निबंध का इतिहास : शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग |
3. हिंदी की अन्य गद्य विधाएं- एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज |

ईकाई नं. 3 : 1. आधुनिक काव्य का विकास **15 तासिकाएं**
2. भारतेंदु युगीन काव्य
3. द्विवेदी युगीन काव्य
4. छायावादी युगीन काव्य

ईकाई नं. 4 : 1. प्रगतिवादी काव्य **15 तासिकाएं**
2. प्रयोगवादी काव्य
3. नई कविता
4. साठोत्तरी कविता

*****

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-653-MJM

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3		3							
CO 2					2					
CO 3		2								
CO 4									2	
CO 5						3				
CO 6								3		
CO 7							2			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-युगीन परिस्थितियों से परिचित होकर छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी और उनकी समझ बढ़ेंगी।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO3-आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं से छात्र परिचित होंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO1-युगीन परिस्थितियों से परिचित होकर छात्रों में मानवतावादी एवं नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) : Nil

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO2- हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण की संदिग्धता की पडताल करेंगे।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO5-युगीन प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होकर छात्र अनुसंधान कौशल विकसित करेंगे।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO7-हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगीन आलोचनात्मक सोच बढेंगी।

PO8: समस्याक्षमताएँ समाधान- (**Problem-solving Abilities**):

CO6-हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझते हुए एतिहासिक समस्या का समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (**Collaboration and Teamwork**) :

CO4-जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य को टीम वर्क के माध्यम से संकलित करेंगे।

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (**Digital and technological skills**): **Nill**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

MAJOR ELECTIVE – लोकसाहित्य (A)

PAPER CODE : HIN-661-MJE

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A.-II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Elective (Theory)**
Course Name	**: लोकसाहित्य (A)**
Course Code	**: HIN-661-MJE (A)**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. लोकसाहित्य के स्वरुप एवं महत्व से परिचित कराना |
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से अवगत कराना |
3. लोकसाहित्य की व्यापकता से परिचित कराना |
4. महाराष्ट्र के लोकसाहित्य का परिचय देना |
5. लोकनाट्य के विविध प्रकारों से अवगत करना |
6. संकलन एवं लोककथा की विभिन्न पद्धतियों से परिचित करना |
7. लोकभाषा और लोकसंगीत की विविधता से अवगत करना |
8. दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्य से परिचित करना

B) अपेक्षित परिणाम *(Course Outcomes) :*

CO1- छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।
CO2- लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंतप्रस्तुतियों से परिचित होंगे।
CO3- छात्र लोकसाहित्य की व्यापकता को समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे|
CO4- छात्र महाराष्ट्र के विविध लोकसाहित्य से परिचित होगें।
CO5- छात्र लोकनाट्य के विविधता से परिचित होंगे |
CO6- छात्र संकलन और लोककथा की पद्धतियों से परिचित होंगे |
CO7- छात्रों में लोकसाहित्य की विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे |
CO8- दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्य से परिचित करना |

पाठ्यक्रम

लोकसाहित्य (A)

PAPER CODE : HIN-661-MJE (A)

ईकाई नं.1: लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरुप एवं विशेषताएं, **15 तासिकाएं**
लोक संस्कृति और साहित्य, लोकसाहित्य का महत्त्व |
भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास |

ईकाई नं.2: लोक साहित्य संकलन: उद्देश्य,संकलन की पद्धतियाँ, **15 तासिकाएं**
संकलन कर्ता की समस्याएं तथा समाधान |

ईकाई नं.3: लोक - गीत : संस्कार, व्रत, श्रम, रुतु, जाति | **15 तासिकाएं**
लोकनाट्य: रामलीला, रासलीला, किर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, जात्रा |
महाराष्ट्र का लोकनाट्य : तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोताराज, सुंबरन, वासुदेव,
भारुड, लळीत, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन |

ईकाई नं.4: लोक कथा : व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, **15 तासिकाएं**
कथानक रूढीयाँ |
लोकसंगीत : लोक वाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें |
लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावते, पहेलियाँ |

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्ण देव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका - पं रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला - कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य - सं. वीरेंद्रसिंह यादव

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-661-MJE

Tittle of Course : लोकसाहित्य (A)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	2									
CO 2	3		3							
CO 3						3	3			
CO 4		3								
CO 5				2						
CO 6										
CO 7					2					
CO 8								3		

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO2- लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत प्रस्तुतियों से परिचित होंगे।

CO1-छात्र लोकसाहित्य के महत्व से परिचित होंगे।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO4- छात्र महाराष्ट्र के विविध लोकसाहित्य से परिचित होगें।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values):

CO2- लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत प्रस्तुतियों से परिचित होंगे।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO5- छात्र संकलन और लोककथा की पद्धतियों से परिचित होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO7- छात्रों में लोकसाहित्य की विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे ।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO3- छात्र लोकसाहित्य की व्यापकता को समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे|

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO3- छात्र लोकसाहित्य की व्यापकता को समीक्षात्मक दृष्टि से परिचित होंगे|

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities):

CO8- दैनंदिन जीवन में आनेवाले लोकसाहित्य से परिचित करना |

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills)N : **Nil**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

MAJOR ELECTIVE – पत्रकारिता (B)

PAPER CODE : HIN-661-MJE (B)

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M. A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Electives (Theory)**
Course Name	**: पत्रकारिता (B)**
Course Code	**: HIN-661-MJE**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. पत्रकारिता का छात्रों से सामान्य परिचय कराना।
2. छात्रों को पत्रकारिता का महत्त्व समझाना।
3. छात्रों को पत्रकारिता की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
4. पत्रकारिता की विकासयात्रा से अवगत कराना।
5. छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रूचि विकसित करना।
6. छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित कराना।
7. समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्रों को अवगत कराना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes):*

CO1- छात्र पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2- छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।
CO3- छात्र पत्रकारिता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
CO4- छात्र पत्रकारिता की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
CO5- छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रूचि विकसित होंगी।
CO6- छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।
CO7- समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम

MAJOR ELECTIVE – पत्रकारिता (B)

PAPER CODE :HIN-661-MJE (B)

इकाई नं.1: पत्रकारिता : संकल्पना, स्वरूप एवं परिभाषा — 15 तासिकाएं

पत्रकारिता का महत्त्व

पत्रकारिता की विशेषताएं

इकाई नं.2: पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास — 15 तासिकाएं

पत्रकारिता के प्रकार :

साहित्यिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता,

फ़िल्मी पत्रकारिता, इंटरनेट पत्रकारिता, शिक्षा पत्रकारिता

इकाई नं.3: समाचार: संकल्पना, स्वरूप एवं परिभाषा — 15 तासिकाएं

समाचार लेखन कला

समाचार लेखक के गुण

इकाई नं.4: समाचार लेखन के सोपान — 15 तासिकाएं

समाचार लेखन की पद्धतियां

समाचार की भाषा

*****

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. रत्नाकर पाण्डेय
2. हिंदी पत्रकारिता की एतिहासिक भूमिका- रीना भारद्वाज
3. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी
4. पत्रकारिता के मूल सिधांत - नविन चन्द्रगुप्त
5. पत्राकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार
6. जनसंचार के सामजिक संदर्भ - जबरीमल्ल पारख
7. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
8. समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिकाप्रसाद बाजपेयी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-661-MJE (B)

Tittle of Course : पत्रकारिता (B)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2	3				2					
CO 3										
CO 4										
CO 5		3						2		
CO 6		3	3			3	3			
CO 7		2		3						
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1- छात्र पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2- छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO5- छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रूचि विकसित होंगी।

CO6- छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

CO7- समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) :

CO6- छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :Nil

CO7- समाचार में रोजगार के अवसर के बारे में छात्र अवगत होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :

CO2- छात्र पत्रकारिता के महत्त्व को समझते है।

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO6- छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking) :

CO6- छात्रों में समाचार की ओर देखने की दृष्टि विकसित होंगी।

PO8: समस्या-समाधान क्षमताएँ (Problem-solving Abilities):

CO5- छात्र पत्रकारिता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) : Nil

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :Nil

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-II] SEMISTER – IV

Research Project - लघु शोध परियोजना

PAPER CODE : HIN-681- OJT / FP

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR M.A.

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHIN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**:IV**
Course Type	**: FP**
Course Name	**: लघु शोध परियोजना**
Course Code	**: HIN-681-OJT/ FP**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य *(Course Objectives) :*

1. छात्रों को अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना।
2. अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध कराना।
3. अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
4. अनुसंधान का महत्व समझाना।
5. अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना।
6. अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से अवगत कराना।
7. अनुसंधान के मूलतत्वों को समझना।

B) अपेक्षित परिणाम *(Course Outcomes):*

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होंगे।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध होगा ।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों की सक्षम बढेगी।

CO4-अनुसंधान का महत्व से परिचित होंगे।

CO5-अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे।

CO6-अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से परिचित होंगे।

CO7-अनुसंधान के मूल तत्वों को समझेंगे।

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: M.A.-II (Sem-IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-681-OJT/FP

Tittle of Course : लघु शोध परियोजना

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3						3			
CO 2	3					3	3			
CO 3	2					3			3	
CO 4		3				3				3
CO 5				2						
CO 6								3		
CO 7								3		
CO 8										

Justification for the mapping

PO1: व्यापक ज्ञान और समझ (Comprehensive Knowledge and Understanding) :

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होकर उनमें अनुसंधान का व्यापक ज्ञान और समझ विकसित होगी।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों में शोधवृत्ति का विकास होगा।

PO2: ज्ञान और कौशल का अनुप्रयोग (Application of knowledge and skills) :

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र अनुसंधान कौशल विकसित कर पाऐंगे।

PO3: संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्य (Constitutional, humanistic, ethical, and moral values) : Nill

PO4: रोजगार और नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमिता कौशल (Employability and job-ready skills, and entrepreneurship skills) :

CO5-अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से परिचित होकर छात्र अनुसंधान में रोजगार और नौकरी पाने के लिए सक्षम होंगे।

PO5 : स्वायत्तता, जिम्मेदारी और जवाबदेही (Autonomy, Responsibility, and Accountability) :- Nill

PO6: अनुसंधान कौशल (Research Skills):

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

CO3-अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों में शोधवृत्ति का विकास होगा।

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र अनुसंधान कौशल विकसित कर पाऐंगे।

PO7: आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (**Critical and Creative Thinking**) :

CO1-छात्र अनुसंधान की प्रविधि से परिचित होकर उनमें आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच विकसित होगी।

CO2-अनुसंधान की प्रक्रिया से छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होकर उनकी समझ बढेगी।

PO8: समस्या समाधान क्षमताएँ- (**Problem-solving Abilities**):

CO6-अनुसंधान की विभिन्न शाखाओं से परिचित होकर छात्र शोध में आनेवाली समस्याओं का समाधान ढूंढते हुए क्षमताएँ विकसित कर पाऐंगे। ।

CO7-अनुसंधान के मूल तत्वों से छात्रों में क्षमताएँ विकसित होगी।

PO9: सहयोग और टीम वर्क (**Collaboration and Teamwork**) :

CO3-अनुसंधान की पद्धति से परिचित होकर छात्र अनुसंधान करने हेतु सहयोग और टीम वर्क कौशल का विकास होगा।

PO10: डिजिटल और तकनीकी कौशल (**Digital and technological skills**) :

CO4-अनुसंधानात्मक ज्ञान और कौशल के अनुप्रयोग से छात्र डिजिटल और तकनीकी कौशल में निपुण होंगे ।